156 कारोबारियों के फीडबैक से यूपी में बनी निवेश की तस्वीर

नीति आयोग की इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 रिपोर्ट में खुलासा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नीति आयोग की इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के निवेश माहौल को लेकर कारोबारियों की धारणा सामने आई है। रिपोर्ट में व्यावसायिक और संस्थागत वातावरण को प्रदेश की प्रमुख ताकत बताया गया है। परिवहन ढांचे में भी यूपी ने तेजी से प्रगति की है। देश के पहुंच-नियंत्रित एक्सप्रेसवे नेटवर्क में प्रदेश की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के मामले में यूपी देश में तीसरे स्थान पर है। वर्ष 2023 में प्रदेश में 955 एटीएल संचालित थीं।

पर्यावरणीय लचीलापन और वित्तीय सेहत में सुधार की जरूरत

रिपोर्ट के मुताबिक औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और स्टार्टअप नीतियों में निरंतरता निवेशकों के भरोसे का अहम आधार बनी है। हालांकि पर्यावरणीय लचीलापन और वित्तीय स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र हैं, जहां प्रदेश को अभी सुधार की जरूरत है।

रिपोर्ट तैयार करने के लिए 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,850 विशिष्ट उत्तरदाताओं से राय ली गई। इनसे कुल 2,503 प्रतिक्रियाएं मिलीं। यूपी से 156 प्रतिक्रियाएं दर्ज हुईं। महाराष्ट्र से 341, गुजरात से 201 और कर्नाटक से 199 प्रतिक्रियाएं मिलीं। सर्वे में बड़े उद्योगों और एमएसएमई के साथ विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया।

सर्वे में इन क्षेत्रों की हिस्सेदारी

क्षेत्रवार हिस्सेदारी में कपड़ा, परिधान व चमड़ा, व्यापार एवं वाणिज्य और अन्य क्षेत्र 10-10% रहे। आईटी-आईटीईएस 9%, वित्तीय सेवाएं व फार्मास्यूटिकल्स 7-7%, जबकि ऑटोमोबाइल, ऊर्जा व उपयोगिताएं, रसायन और खाद्य प्रसंस्करण 6-6% रहे। होटल-पर्यटन व इलेक्ट्रॉनिक्स 5-5%, कृषि-संबद्ध क्षेत्र व निर्माण-रियल एस्टेट 4-4%, खनिज 3% और परिवहन 2% रहा। रिपोर्ट ने 955 एटीएल को भविष्य के प्रतिभा आधार की मजबूती से जोड़ा है।